नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 19.01.2019

प्रकाशनार्थ

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर भूगोल विभाग में **''मानव एवं पर्यावरण अर्न्तसम्बन्ध''** पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **डॉ. प्रमोद कुमार** असिस्टेण्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग बापू पी.जी. कॉलेज पीपीगंज, गोरखपुर रहें। विशिष्ट व्याख्यान के तहत डॉ. प्रमोद कुमार ने मानव पर्यावरण के अन्तर्सम्बन्धों के कारण पर्यावरण पर संकट का उल्लेख किया। उन्होंने कहा पर्यावरण का प्रत्येक घटक प्रकृति का निःशुल्क उपहार है प्रकृति की आवश्यकता के अनुरूप पर्यावरण के घटकों ने जन्म लिया जिसमें जैविक घटकों की पर्याप्त विषमता मिलती है। मानव भी उसी तत्वों में एक था मानव, कपि से मानव, विकासशील मानव, विकसित मानव और तकनीकी मानव के रूप में विकसित हुआ अर्थात मानव प्रकृति पृथ्वी तल का उपज है। मानव मस्तिष्क की कार्यकुशलता ने पर्यावरण के हर घटकों का उपयोग किया जिससे मानव का सामाजिक आर्थिक विकास सम्भव हुआ परन्तु वहीं मानव जब तकनीकी मानव के रूप में बदला तो वह पर्यावरण का उपयोग नही दुर्पयोग करने लगा। अपनी तकनीकी कार्य कुशलता के कारण उच्च उपभोक्तावाद सोच को विकसित किया। औद्योगिक क्रान्ति के पश्चात् मानवीय जनसंख्या की तीव्रतम वृद्वि हुयी जिससे औद्योगिकरण नगरीकरण और संचार के रूप में अनेक क्रान्तियों ने जन्म लिया। वर्तमान में हमारा पर्यावरण मानव निर्मित तकनीकी उन्नति के कारण दिन प्रतिदिन बदतर होता जा रहा है। इस प्रकार मानव पर्यावरण के मध्य विगडते सम्बन्धों से पर्यावरण प्रदुषण हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओ जैसे मानव स्वास्थ्य, सामाजिक, शरीरिक, आर्थिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। पर्यावरण का दुषितकरण कई प्रकार के रोगो को जन्म देता है इससे इंसान की पूरी जिन्दगी पीड़ित हो सकती है यह किसी समुदाय या शहर की समस्या नही है बल्कि ये पुरी दुनिया या वैश्विक समस्या है। इसलिए मानव व पर्यावरण के बिगडे रिश्तो को सुधारना होगा, हमे हमारे पर्यावरण को स्वस्थ और प्रदुषण से दूर रखने के लिए अपने स्वार्थ और गलतियों को सुधारना होगा। यह विश्व का गम्भीर मुद्दा है हमे जन जागरूकता और चेतना के द्वारा मानव पर्यावरण के मध्य मित्रवत् व्यवहार की संकल्पना को विकसित करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय प्रताप निषाद ने किया और कहा कि हमे अपने व्यवहारों, आदतों और जीवन शैली में परिवर्तन कर पर्यावरण सम्बन्धी प्रदुषण को कम करना चाहिए। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही ने किया तथा स्वागत डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में भारी मात्रा में भूगोल के विद्यार्थियों सहित प्राध्यापकगण डॉ. मन्जेश्वर शर्मा, डॉ. आर. एन. सिंह, डॉ. आरती सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सुबोध मिश्र आदि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी